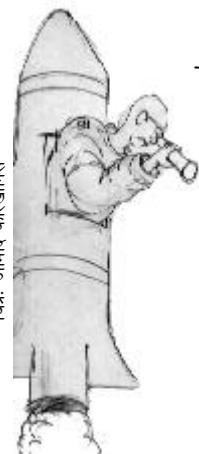
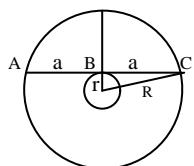


ज़रा सिर खुजलाइए —  
नेपच्यून ग्रह के वलय



चित्रः आमोद कारखानिस



## भाग: २

साथ में दिए चित्र के अनुसार  $a$  रेखाचाप AC का आधा है।  
मान लें कि  $r$  अंतर्की तर्ज की विज्ञा है और

मान लें कि I अदरूना वृत्त का विषय ह आर  
II बाहरी वृत्त की विषय है।

इसलिए अंदरूनी वन का ध्वनफल  $m^2$  के और

इसालै अदृश्यना वृत्त का द्वारकल  $\pi$  ह आर  
बाहरी वृत्त का क्षेत्रफल  $\pi R^2$

यानी कि चक्रवृत्त का क्षेत्रफल =  $\pi R^2 - \pi r^2$

$$\equiv \pi(R^2 - r^2) \quad \dots\dots 1$$

समकोण त्रिभज क

उसका कर्ण है। इसलिए पायथोगोरस के सिद्धान्त के अनुसार

$$a^2 +$$

$$a^2 = R$$

समीकरण 1 में इस समीकरण का इस्ते

$$\pi = \pi a^2$$

चूंकि a 1,00,000 किमी है

कैप्टन आफताब चुपचाप ये सब गणनाएं करने में मशगूल थे और इस बीच लेफ्टिनेंट महेताब दो-तीन तरह की मदिरा मिलाकर अपने लिए एक विशेष पेय बना रहे थे।

“मुझे जवाब मिल गया,” आफताब ने ज़ोर से कहा, “वलय का क्षेत्रफल है .....।” बीच में टोकते हुए लेफ्टिनेंट मेहताब ने कहा, “बताना मत, मुझे अंदाज लगा लेने दो।” एक पुराने लिफाफे को पलटकर उस संभ्या को देखते हुए जो उसने कुछ समय पहले लिखी थी, मेहताब ने कहा, “31 41 59 26 535 8979 वर्ग किलोमीटर।”

“मैंहताव, कधी-कधी तो तुम मुझे अवधे में डाल देते हो। तुम्हारा अंदाज़ बिल्कुल सर्वी है। परन्तु ये सब लौजगणित तमने क्यों कर लिया?”

“मुझे बीजगति की ज़रूरत ही नहीं पड़ी। बस, वृत्त के क्षेत्रफल का सूत्र मुझे याद है—  $m^2$

फिल्मेंट मेहताब ने इतनी आसानी से इस सवाल को कैसे हल किया होगा?

लाफ्टनंट महताब न इतना आसाना से इस सवाल का कस हल किया हांगा ?

भाग: ३ दाखें पृष्ठ क्रमाक ६६ पर।